

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 2nd Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS2011 (MAJOR)

Sanskrit Drama

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the right hand margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क' विभागतः सप्तानां प्रश्नानां 'ख' विभागतः प्रश्नत्रयस्य च उत्तरं सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य देयम्। 2×10=20

‘क’-विभागः

- (a) “न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्”— कस्य कां प्रति उक्तिरियम्? प्रयोगविज्ञानं कदा सफलं भवति?
- (b) “आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि”— अत्र वक्ता कः? ‘वः’ इति पदेन कः उद्दिष्टः भवति? ‘अनागसि’ इति पदस्य अर्थः लिख्यताम्।
- (c) “तिसङ्कु विअ अन्तराले चिट्ठ”— अत्र वक्ता कः? वाक्यमेतत् प्राकृतभाषायाः संस्कृतभाषायां रूपान्तरं विधेयम्।
- (d) “अर्कस्योपरि शिथिलं च्युतमिव नवमालिकाकुसुमम्”— कस्य कां प्रति उक्तिरियम्? अस्य उद्धृतांशस्य नाटकीयं तात्पर्यं किम्?
- (e) का आसीत् गौतमी? शाकुन्तले तृतीयाङ्के गौतमीप्रवेशात् प्राक् नेपथ्ये किं श्रूयते?
- (f) ‘अभिज्ञानशाकुन्तलम्’ इति नाटके कति महर्षिचरित्राणि रङ्गमञ्चे उपस्थितानि भवन्ति? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।
- (g) “को नामोष्णोदकेन नवमालिकां सिञ्चति”— अत्र वक्त्री का? ‘उष्णोदकम्’ इत्यनेन किम् अभिप्रेतम्? ‘नवमालिका’ इत्यनेन वा का लक्षिता?
- (h) “सकृत्कृतप्रणयोज्यं जनः”— कः कस्मिन् प्रसङ्गे एतत् उक्तवान्?
- (i) कः आसीत् मातलिः? सः किमर्थं विदूषकं ताडितवान्?
- (j) “श्रद्धा वित्तं विधिश्चेति त्रितयं तत्समागतम्”— केनोक्तम् एतत्? अत्र ‘श्रद्धा’, ‘वित्तं’ तथा ‘विधिः’ इति पदत्रयेण के उद्दिष्टः?

‘ख’-विभागः

- (k) ‘मृच्छकटिकम्’ इति दृश्यकाव्यस्य नायिके के स्तः? अस्य दृश्यकाव्यस्य प्रमुखः रसः किमस्ति?
- (l) ‘प्रियदर्शिका’ इति रूपकस्य प्रणेताः नाम किम्? रूपकस्यास्य नायिकायाः नायकस्य च नामोल्लेखः कर्तव्यः।

- (m) মুরারে: সময়কাল: কোঽস্টি? তস্য বিরচিতস্য দৃশ্যকাব্যস্য অঙ্কসংখ্যা লিখ্যতাম্।
 (n) 'প্রসন্নরাঘবম্' কেন বিরচিতম্? অস্য নাটকস্য রচনাকাল: লিখ্যতাম্।
 (o) 'প্রবোধচন্দ্রোদয়ম্' ইতি দৃশ্যকাব্যস্যস্য রচয়িতা কঃ? অস্য নাটকস্য কয়শ্চিদ্ দ্বয়ো: পাত্রয়ো: নাম লিখ্যতাম্।

2. অধ:স্থিতেষু প্রশ্নেষু যথাকামং চতুর্ণাং প্রশ্নানামুত্তরং দেয়ম্। তেষু প্রশ্নেষু যত্নিক্জন দ্বিতয়ং সুরগিরা সমাধীয়তাম্।

5×4=20

- (a) নাট্যকাররূপেণ ভট্টনারায়ণস্য কৃতিত্বমালোচয়ত।

নাট্যকাররূপে ভট্টনারায়ণের কৃতিত্ব আলোচনা করো।

- (b) অর্থ: লিখ্যতাম্।

মুক্তেষু রশ্মিষু নিরায়তপূর্বকায়া

নিष्কম্পচামরশিখা নিভৃতোর্ধ্বকর্ণা:।

আত্মোদ্ধতৈরিপি রজোভিরলঙ্ঘনীয়া

ধাবন্ত্যমী মৃগজবাশ্বময়েব রথ্যা:॥

- (c) অধোলিখিতयो: শ্লোকयो: অন্যतर: সুরগিরা ব্যাখ্যায়তাম্।

নিম্নলিখিত শ্লোকদুটির মধ্যে যেকোনো একটি সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

- (i) রম্যাণি বীক্ষ্য মধুরাংশ্চ নিশম্য শব্দানৃপর্যুত্সুকো ভবতি যত্ সুখিতোঽপি জন্তু:

তচ্চেতসা স্মরতি নূন মবোধপূর্ব্ণ ভাবস্থিরাণি জননান্তর সৌহৃদানি।

- (ii) শুদ্ধান্তুর্দুর্লভমিদং বপুরাশ্রমবাসিনো যদি জনস্য।

দূরীকৃতা: খলু গুণৌরুদ্যানলতা বনলতাভি:॥

- (d) অধোলিখিতयो: শ্লোকাংশयो: অন্যतरस्य সুরগিরা ভাবসম্প্রসারণং কুরুত।

নিম্নলিখিত শ্লোকাংশ দুটির মধ্যে যেকোনো একটি সংস্কৃতে ভাবসম্প্রসারণ করো।

- (i) ন প্রভাতরলং জ্যতিরুদেতি বসুধাতলাত্

- (ii) অনুদ্বিতা: সত্পুরুষা: সমৃদ্ধিभि:।

- (e) 'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' ইতি নাটকে অঙ্কুলীযকস্য অভিজ্ঞানস্য বা কিং মহত্বম্ অস্টি? তত্ কথং নাটকস্য বিকাশে ভূমিকাং পালয়তি?

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নাটকে অঙ্গুরী বা অভিজ্ঞানের কী মহত্ত্ব রয়েছে? সেটি নাটকের বিকাশে কীরূপ ভূমিকা পালন করেছে?

- (f) 'ইদৃগ্বিনোদ: কুত:'— কস্য উক্তিৰিয়ম্? অত্র 'বিনোদ:' ইতি পদেন কিম্ অভিপ্রেতম্? অস্য বিনোদস্য কা: খলু উপকারিতা: কাশ্চ অপকারিতা:?

'ইদৃগ্বিনোদ: কুত:'—কার উক্তি? এখানে 'বিনোদ:' পদের দ্বারা কী বোঝানো হয়েছে? এই বিনোদের কী কী উপকারিতা ও অপকারিতা বর্তমান?

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क' विभागतः एकस्य 'ख' विभागतः एकस्य प्रश्नस्य चोत्तरं लिख्यताम्।

10×2=20

'क'-विभागः

(a) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटकस्य मूलस्रोतः किम्? अस्मिन् नाटके कालिदासेन कानि कानि परिवर्तनानि विहितानि? कथं च?

'अभिज्ञानशकुन्तलम्' नाटकेर उৎस की? नाटकटिठे रचयिता मूल उৎस थेके की की परिवर्तन साधन करेहेन एवं केन?

(b) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति नाटके कः अङ्कः श्रेष्ठः? तव उत्तरस्य पुष्टये युक्तिं प्रदर्शय।

'अभिज्ञानशकुन्तलम्' नाटकेर कोन अङ्कटि श्रेष्ठ? तोमार उत्तरेर सपक्षे युक्ति दाओ।

'ख'-विभागः

(c) महाकविभवंभूतिना रचितानि दृश्यकाव्यानि कानि? दृश्यकाव्यानां वृत्तान्तमुल्लिख्य नाट्यकाररूपेण भवभूतेः अवदानम् आलोच्यताम्।

महाकवि भवभूति रचित दृश्यकाव्याङ्गलि की की? दृश्यकाव्याङ्गलि विषयवस्तु उल्लेख करे नाट्यकाररूपे महाकवि भवभूतिर अवदान आलोचना करे।

(d) टीका लेख्या—

(i) अश्वघोषः

(ii) मुद्राराक्षसम्।

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 2nd Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit
Course: SANS2051 (SEC)

Time: 2 Hours

Full Marks: 40

*The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्चानां प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। 2×5=10
- (a) किं नाम संवादसूक्तम्? ऋग्वेदान्तर्गतस्य कस्यचिदेकस्य संवादसूक्तस्य नाम लिख्यताम्?
- (b) 'उपनिषद्' इति पदस्य व्युत्पत्तिः काऽस्ति? मुख्याः उपनिषदः काः भवन्ति?
- (c) 'पुराणम्' इति शब्दस्य कोऽर्थः? कति महापुराणानि सन्ति?
- (d) पुराणेषु केषां देवानां प्राधान्यं वर्णितम्? ब्रह्माण्डपुराणे कस्य देवस्य माहात्म्यं वर्णितम्?
- (e) व्याकरणशास्त्रे सूत्रस्य लक्षणं किम्?
- (f) चान्द्रव्याकरणं केन विरचितम्? ग्रन्थेऽस्मिन् कति अध्यायाः सन्ति?
- (g) भारतीयदर्शने 'नास्तिकः' इति पदस्य कोऽर्थः? के च नास्तिकाः?
- (h) वेदान्तदर्शनस्य प्रवक्तुः मुख्यग्रन्थस्य च नाम लिख्यताम्।

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10

- (a) व्याख्यायताम् :-
सर्गश्च प्रतिसर्गश्च वंशमन्वन्तराणि च।
वंशानुचरितं चैव पुराणं पञ्चलक्षणम्॥
- (b) वैदिकसाहित्ये ब्राह्मणस्य प्रतिपाद्यविषयः संक्षेपेण आलोच्यताम्।
- (c) टीका लेख्या :-
महाभाष्यम् अथवा वार्तिकम्
- (d) 'अष्टाङ्गिकमार्गः' कस्मिन् दर्शने उपलभ्यते? संक्षेपेण अष्टाङ्गिकमार्गः आलोच्यताम्।

3. অধঃস্থিতেষু প্রশ্নেষু প্রশ্নদ্বয়ং সমাধেয়ম্ :

- (a) বেদাঙ্গস্য প্রয়োজনং কিম্? বেদাঙ্গানাং নামানি উল্লিখ্য বেদাঙ্গমবলম্ব্য নিবন্ধমেকং বিবচয়।
বেদাঙ্গের প্রয়োজন কী? বেদাঙ্গগুলির নাম উল্লেখ করে বেদাঙ্গসম্বন্ধে একটি নিবন্ধ লেখো।
- (b) সাংখ্যিকপুরাণানি কানি? তेषাং প্রতিপাদ্যবিষয়ঃ সংক্ষেপেণ আলোচ্যতাং।
সাংখ্যিকপুরাণ কোনগুলি? সেগুলির প্রতিপাদ্যবিষয় সংক্ষেপে আলোচনা করো।
- (c) ব্যাকরণস্য কো ব্যুৎপত্তিলব্ধঃ অর্থঃ? সংস্কৃতব্যাকরণশাস্ত্রে ভট্টোজিদীক্ষিতমহোদয়বিবচিতস্য গ্রন্থস্য গুরুত্বম্ আলোচ্যতাং।
ব্যাকরণ-এর ব্যুৎপত্তিলব্ধ অর্থ কী? সংস্কৃতব্যাকরণশাস্ত্রে ভট্টোজিদীক্ষিত ও তাঁর গ্রন্থের গুরুত্ব আলোচনা করো।
- (d) প্রমাণং কিম্? ন্যায়সম্মতং প্রমাণতত্ত্বম্ আলোচ্যতাং।
প্রমাণ কী? ন্যায়সম্মত প্রমাণতত্ত্ব আলোচনা করো।
-

3 Yr. Degree/4 Yr. Honours 2nd Semester Examination, 2025 (CCFUP)

Subject : Sanskrit

Course: SANS2021 (MINOR)

Sanskrit Drama

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

*The figures in the right hand margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क'-विभागतः सप्तानां प्रश्नानां 'ख'-विभागतः प्रश्नत्रयस्य च उत्तरं सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। 2×10=20

'क'-विभागः

- (a) अभिज्ञानशकुन्तलमिति नाटकस्य उत्सः कः? राजा दुष्यन्तः कस्य वंशस्य प्रदीपः आसीत्?
- (b) दुष्यन्तं प्रति वैखानसस्य आशीर्वचनं संस्कृतभाषया लिख्यताम्।
- (c) "मृगानुसारिणं साक्षात् पश्यामीव पिनाकिनम्"—अत्र वक्ता कः? 'पिनाकी' इति कस्य नामधेयम्?
- (d) विदूषकस्य नाम किम्? करभकः च कः?
- (e) "अपि तपो वर्धते"—इयमुक्तिः कां प्रति कः उक्तवान्?
- (f) "मधुकर विस्मृतोऽसि एनां कथम्"—'मधुकर' इत्यनेन पदेन कः बोध्यः? का विस्मृता?
- (g) सानुमती का? राजोद्याने किमर्थं सा प्रविष्टवती?
- (h) शकुन्तलया सह के हस्तिनापुरं गतवन्तः?
- (i) कुलपतिः कः? स दुष्यन्तस्य तपोवनप्रवेशकाले कुत्र गतवान्?
- (j) मारीचस्य आश्रमः कुत्र आसीत्? तस्य धर्मपत्नी का?

'ख'-विभागः

- (k) महाकविकालिदासरचितानां नाटकानां नामोल्लेखं कुरुत।
- (l) श्रीहर्षः कति रूपकाणि रचितवान्? तेषां नामानि लिखत।
- (m) 'शारिपुत्रप्रकरणम्' केन विरचितम्? अस्मिन् नाटके कति अङ्काः सन्ति?
- (n) शुद्रकविरचितस्य प्रकरणस्य नाम किम्? अस्य मुख्या नायिका का?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नद्वयं सुरगिरा लेखनीयम्।
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्—

প্রসঙ্গ উল্লেখপূর্বক ব্যাখ্যা লেখো—

इदं किलाव्याजमनोहरं वपु-
स्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया
शमीलतां छेतुमृषिर्व्यवस्यति॥

अथवा,

भवन्ति नम्रास्तरवः फलागमै-
र्नवाम्बुर्भिदूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषाः समृद्धिभिः
स्वभाव एवैष परोपकारिणाम्॥

(b) अर्थः लिख्यताम्—

অর্থ লেখো—

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्मलक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

(c) संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं कुरु।

সংস্কৃতভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো।

भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।

अथवा

आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि।

(d) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' नामकस्य नाटकस्य अग्रगतौ हस्तिवृत्तान्तस्य गुरुत्वं प्रतिपादनीयम्।

'অভিজ্ঞানশকুন্তলম্' নামক নাটকের অগ্রগতিতে হস্তিবৃত্তান্তের গুরুত্ব লেখো।

(e) भट्टनारायणस्य काव्यप्रतिभा आलोच्यताम्।

ভট্টনারায়ণের কাব্যপ্রতিভা আলোচনা করো।

(f) टीका कार्या—

টীকা লেখো—

मुद्राराक्षसम्

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क'-विभागे एकस्य 'ख'-विभागे एकस्य प्रश्नस्य चोत्तरं लिख्यताम्।

10×2=20

'क'-विभागः

'क'-विभाग

- (a) अभिज्ञानशकुन्तलमिति नाटके दुर्वाससः शापस्य नाटकीयं तात्पर्यं गुरुत्वं च आलोच्यताम्।
'अभिज्ञानशकुन्तलम्' नामक नाटके महर्षि दुर्वासार अभिशापेन नाटकीय तात्पर्यं ও গুরুত্ব আলোচনা করো।
- (b) शकुन्तला का? अभिज्ञानशकुन्तलमित्यस्य दृश्यकाव्यस्य अनुसरणं कृत्वा शकुन्तलाचरितं वर्णयताम्।
শকুন্তলা কে? 'অভিज्ञানশকুন্তলম্' নামক দৃশ্যকাব্যের অনুসরণে শকুন্তলার চরিত্র বর্ণনা করো।

'ख'-विभागः

'ख'-विभाग

- (c) अश्वघोषस्य नाट्यप्रतिभा आलोच्यताम्।
অশ্বঘোষের নাট্যপ্রতিভা আলোচনা করো।
- (d) टीका कार्या —
টীকা লেখো—
- (i) राजशेखरः
- (ii) मुरारिः